अध्याय - 2 | सजीव जगत में विविधता

QUIZ PART-05

1. जैव विविधता किसे कहते हैं?

A. किसी क्षेत्र में पाए जाने वाले विभिन्न पौधे, जानवर और सूक्ष्मजीव
B. केवल पानी
C. केवल मिट्टी
D. केवल एक प्रकार का पेड़ (A)

व्याख्या : किसी निश्चित क्षेत्र में पाए जाने वाले अलग-अलग पौधे, जानवर और सूक्ष्मजीव जैव विविधता कहलाते हैं।

2. जैव विविधता क्यों महत्वपूर्ण है?

A. प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए
B. केवल पृथ्वी को रंगीन बनाने के लिए
C. कारखाने बढ़ाने के लिए
D. जंगल काटने के लिए (A)

व्याख्या : जैव विविधता पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती है।

3. पौधे हमें क्या देते हैं?

A. ऑक्सीजन
B. प्लास्टिक
C. धुआँ
D. प्रदूषण (A)

व्याख्या : पौधे हमें ऑक्सीजन देते हैं और जीवन के लिए बहुत आवश्यक हैं।

4. जंतु किस कार्य में मनुष्य की सहायता करते हैं?

A. कृषि में
B. केवल प्रदूषण में
C. जंगल काटने में
D. पानी सुखाने में (A)

व्याख्या : कई जंतु कृषि और जीवन की अन्य गतिविधियों में मनुष्य की मदद करते हैं।

5. जैव विविधता के संरक्षण के लिए हमें क्या करना चाहिए?

A. जंगलों की रक्षा करना
B. वनों की कटाई करना
C. प्रदूषण बढ़ाना
D. जीवों को नुकसान पहुँचाना (A)

व्याख्या : जैव विविधता बचाने के लिए जंगलों और आवासों की रक्षा करनी चाहिए।

6. संरक्षण का एक प्रमुख महत्व क्या है?

A. पारिस्थितिक संतुलन बनाना
B. जीवों को समाप्त करना
C. केवल कारखाने लगाना
D. जंगलों को काटना (A)

व्याख्या : संरक्षण से प्रकृति और जीवों के बीच संतुलन बना रहता है।

7. 3R में क्या शामिल है?

A. कम उपयोग, पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण
B. काटना, जलाना, फेंकना
C. शिकार, प्रदूषण, विनाश
D. केवल खरीदना (A)

व्याख्या : 3R का अर्थ है Reduce, Reuse और Recycle यानी कम उपयोग, पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण।

8. बाघ परियोजना किसके संरक्षण के लिए शुरु की गई थी?

A. बंगाल टाइगर
B. चींटी
C. कबूतर
D. मेंढक (A)

व्याख्या : बंगाल टाइगर की घटती संख्या के संरक्षण के लिए 1973 में बाघ परियोजना शुरु की गई थी।

9. चीता पुनर्वास परियोजना कब प्रारंभ की गई?

A. 2022
B. 1973
C. 1897
D. 1984 (A)

व्याख्या : चीता की संख्या को पुनः स्थापित करने के लिए 2022 में चीता पुनर्वास परियोजना शुरु की गई।

10. पवित्र उपवनों का संरक्षण कौन करता है?

A. स्थानीय समुदाय
B. केवल कारखाने
C. केवल शिकारी
D. कोई नहीं (A)

व्याख्या : पवित्र उपवनों की रक्षा स्थानीय समुदाय द्वारा की जाती है और वहाँ जीव-जंतुओं या पेड़ों को हानि पहुँचाने की अनुमति नहीं होती।